हिन्दी साप्ताहिक

PRGI No:- UABIL/25/A3383

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -02 ♦ अंक-26 ♦देहरादून - रविवार 26 अप्रैल 2026 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्यः 1/-१५

हिमालयी राज्य आपसी सहयोग और अनुभवों से करें नीति निर्माण : सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में हिमालयी राज्यों के मध्य आपसी समन्वय को सुदृढ़ करने, साझा चुनौतियों के समाधान हिमालयी राज्यों से समन्वय एवं नीति निर्धारण परिषद की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक के लिए समेकित रणनीति तैयार करने तथा क्षेत्रीय विकास को गति देने के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालयी राज्यों की भौगोलिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक परिस्थितियाँ समान होने के कारण आपसी सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान से प्रभ. ावी नीति निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि जिन हिमालयी राज्यों में विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे कार्य हुए हैं, उन कार्यों का विस्तृत अध्ययन बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में राज्य में अपनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इकॉनोमी और ईकोलॉजी में समन्वय के साथ मानव जीवन स्तर को बेहतर बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड प्राकृति सम्पन्नता एवं जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। हिमालय और औषधि यों के संरक्षण के क्षेत्र में राज्य में कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के दिशा में राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण की दिशा में अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमालय और पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में जो संस्थान अच्छा कार्य कर रहे हैं, उनका भी निरंतर सहयोग लिया जाए। हिमालयी राज्यों की विभिन्न चुनौतियों के समाधान के लिए हिमालयी

राज्यों के विशेषज्ञों के साथ बैठक समय-समय पर बैठकों और विचार गोष्ठियों का आयोजन भी किया जाए। बैठक के दौरान जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, पर्यटन, जैव विविधता संरक्षण, जल स्रोतों के संरक्षण तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बैठक में जो भी सुझाव प्राप्त हुए हैं, उस दिशा में तेजी से काम आगे बढ़ाये जायेंगे। मुख्य सचिव आ. नन्द बर्द्धन ने कहा कि हिमालयी राज्यों की चुनौतियों को दूर करने के लिए हिमालयी राज्य कैसे एकीकृत रूप में कार्य कर सकते हैं, इस दिशा में प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि देश की बड़ी आबादी को हिमालय से फायदा होगा। हिमालय के संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में कार्य करने के लिए हमें इस क्षेत्र में कार्य करने वाले राष्ट्रीय संस्थानों का भी नियमित सहयोग लेना होगा। हिमालयी राज्यों से समन्वय एवं नीति निर्धारण परिषद के सदस्य एवं विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि हिमालय एवं मध्य हिमालय क्षेत्र की अद्यतन वै. ज्ञानिक एवं पारिस्थितिकि स्थिति का अध्ययन होना चाहिए। हिमालयी नदियों के जल स्तर और प्रवाह का आंकलन करना भी जरूरी है। सदस्य एवं पूर्व डीजीपी अनिल रतूड़ी ने कहा कि हिमालयी राज्यों को संगठित रूप से कार्य कर हिमालयी से संबंधित सभी सम्पदाओं और लोगों की आजीविका को बढ़ाने की दिशा में प्रयास करने होंगे। आचार्य डॉ. प्रशांत ने कहा कि हिमालयी राज्यों के लिए ज्वाइंट टास्क फोर्स बननी चाहिए। हिमालयी राज्यों की चुनौतियां लगभग एक जैसे होती हैं, इनके लिए मिलकर बेहमर नीति निर्धारण की दिशा में कार्य होने चाहिए। डॉ. जी.एस. रावत ने कहा कि प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य होने चाहिए। पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने कहा कि बुग्यालों का संरक्षण बहुत जरूरी है। जड़ी-बूटियों के क्षेत्र में राज्य में अनेक संभावनाएं हैं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुदंरम, सचिव शैलेश बगौली, यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डोईवाला में आज से ऑनला. इन भवन जनगणना होगी शुरू

ऋषिकेश। नगर क्षेत्र में शहरी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए आज से ऑनलाइन भवन जनगणना के प्रथम चरण की शुरुआत होगी। डोईवाला नगर पालिका के अंतर्गत इस अभियान के लिए कुल 158 अधि कारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें 144 कार्मिक सीधे जनगणना कार्य में जुटेंगे, जबकि 14 कर्मचारियों को रिजर्व में रखा गया है। नगर पालिका प्रशासन के अनुसार भवन जनगणना के लिए 123 प्रगणक और 21 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं, जो नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत 20 वार्डों में क्षेत्रवार घर-घर जाकर भवनों का ऑनलाइन विवरण दर्ज करेंगे। प्रथम चरण की यह जनगणना 25 अप्रैल से शुरू होकर 24 मई तक चलेगी। अभियान की तैयारियों के तहत नगर पालिका सभागार में सभी प्रगणकों और सुपरवाइजरों को जनगणना से संबंधित सामग्री, आईडी कार्ड और आवश्यक दिशा-निर्देश वितरित कर दिए गए हैं। सुपरवाइजर और प्रगणको निर्देश दिए गए हैं कि कार्य समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित तरीके से पूरा किया जाए। जनगणना चार्ज अधिकारी एवं नगर पालिका के ईओ एमएल शाह ने बताया कि भवन जनगणना से नगर क्षेत्र के सभी भवनों का सटीक डाटा उपलब्ध होगा। इससे भविष्य में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और शहरी सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि जनगणना के दौरान प्रगणकों को सही जानकारी देकर सहयोग करें।

महिला आरक्षण पर कांग्रेस विधायक तिवारी की सरकार को चुनौती

अल्मोड़ा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा के आरोपों पर अल्मोड़ा से कांग्रेस विधायक मनोज तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा

एक ही बात को बार-बार दोहराकर उसे सच साबित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में महिला आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो चुका था, लेकिन इसे परिसीमन से जोड़कर दोबारा लाना नियमों के विपरीत है। शुक्रवार को नगर के एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक तिवारी ने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के हित में हर कदम का समर्थन करती है, लेकिन यह प्रक्रिया नियमों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भा. जपा महिला आरक्षण के मुद्दे पर भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उनके अनुसार यह विषय महिला आरक्षण से अधिक परिसीमन से जुड़ा है और इसके माध्यम से लोकसभा सीटों में बदलाव की कोशिश की जा रही थी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं के प्रति गंभीर होती तो मौजूदा सीटों में ही आरक्षण लागू किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकार को महिलाओं की इतनी चिंता होती तो राज्य में अंकिता भंडारी जैसा मामला नहीं होता और भाजपा दोषियों को बचाने के प्रयास नहीं करती। विधायक तिवारी ने राज्य में बढ़ते महिला अपराधों को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि सरकार महिलाओं की हितैषी है तो म. हलाओं के साथ अत्याचार, हत्या, दुष्कर्म और छेड़छाड़ की घटनाएं नहीं होती। उन्हो. ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होता है और अल्मोड़ा विधानसभा सीट महिला आरक्षित होती है तो उनके परिवार से कोई महिला चुनाव नहीं लड़ेगी। यहाँ पत्रकार वार्ता में महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, पार्षद मधु बिष्ट, चंचल दुर्गापाल, रीना टम्टा, जानकी पांडे, तुलसी देवी, अंजू बिष्ट और वंदना वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पहाड़ी रूटों पर यात्रियों का दबाव बढ़ते ही बसों का टोटा

ऋषिकेश। पर्वतीय रूटों पर बसों की कमी से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दून मार्ग स्थित इंद्रमणि बडोनी चौक पर शुक्रवार को पहाड़ में विभिन्न स्थानों पर जाने वाले यात्री बसों के इंतजार में परेशान रहे। लगने के बाद लोकल रोटेशन को अतिरिक्त बसें रूटों पर दौड़ानी पड़ रही है, जिसमें यात्रियों को लंबा इंतजार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। शुक्रवार को इंद्रमणि बडोनी चौक पर पहाड़ी रूट की बसों के स्टॉपेज पर यात्रियों का जमावड़ा सुबह से ही नजर आया। टिहरी रूट के यात्रियों का अधिक दबाव होने की वजह से लोकल रोटेशन की प्रतिदिन संचालित होने वाली 25 सेवा भी कम पड़ गईं। इसी तरह से अन्य रूटों पर भी बसों की यही स्थिति बनी रही। हरदिन पर्वतीय रूट पर 125 लोकल सेवाएं संचालित होती हैं। लोकल यात्रियों के साथ ही धामों तक जाने के लिए इन बसों के लिए तीर्थयात्री के भी पहुंचने से यह समस्या पैदा होने का दावा किया जा रहा है। दलील यह भी है कि शादियों का सीजन होने के चलते भी इस तरह के हालात बन रहे हैं। हालांकि, सभी यात्रियों को गतंव्य तक पहुंचने के लिए बस मिल रही है, लेकिन इसमें लंबा इंतजार करने की वजह से उनकी मुसीबतें बढ़ रही हैं। खुले आसमान के नीचे तपती धूप में यात्रियों के बसों की राह देखते हुए पसीना-पसीना भी होना पड़ रहा है।खुले आसमान के नीचे यात्री-वर्षों बाद भी पर्वतीय रूटों की बसों के स्टॉपेज इंद्रमणि बडोनी चौक पर यात्री शेड नहीं बन पाया है। जबकि, इसकी मांग लगातार उठती रही है। बावजूद, नगर निगम प्रशासन इस ओर लापरवाह बना नजर रहा है। यात्रियों को कभी चिलचिलाती धूप, तो कभी बारिश में खुले आसमान के नीचे बसों के इंतजार में खड़े रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने बताया कि इंद्रमणि बडोनी चौक समेत शहर के कई स्थानों को यात्री शेड निर्माण के लिए चिन्हित किया गया है। जल्द ही संबंधित स्थानों पर शेड नजर भी आएंगे।कोट--सभी पर्वतीय रूटों पर निरंतर सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। यात्रियों का दबाव बढ़ने पर अतिरिक्त बसों का संचालन भी किया जा रहा है, जिससे कि हर यात्री को बस सेवा उपलब्ध हो सके।-मनोज ध्यानी, निवर्तमान अध्यक्ष, यातायात संघ

सम्पादकीय

श्रद्धालुगण अपना ध्यान रखें

उत्तराखण्डराज्येन सुगमा सुरक्षिताऽपि यात्रा विधीयते।
मानकप्रचालनप्रक्रिया जनहिताय प्रकाशिताऽस्ति।।
श्रद्धालव: सावधाना: सन्तु नियमपालनतत्परा:।
एवं कृते यात्रा सर्वेषां सुखदा शुभदा भवेत्।।

अर्थात

उत्तराखंड राज्य सरकार ने सुगम व सुरक्षित चारधाम यात्रा के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी कर दी है। श्रद्धालुओं को विशेष एहतियात बरतने के साथ दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया है।

यात्रा के लिए राज्य सरकार ने पंजीकरण अनिवार्य किया है। यह प्रक्रिया पर्यटक सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण से जुड़ी है।

यात्रियों को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच अवश्य करानी चाहिए। अत्यधिक ठंड, कम ऑक्सीजन और कम वायुदाब यात्रियों को प्रभावित कर सकते हैं। कम से कम सात दिनों की यात्रा योजना बनाएं, जिससे शरीर वातावरण के अनुकूल हो सके। गर्म कपड़े, रेनकोट और अपनी नियमित दवाएं साथ रखें। यातायात पुलिस द्वारा निर्धारित मार्गों का पालन करें ।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यात्रियों से सचेत मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करने का आग्रह कर रहा है।ऐप के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं का वास्तविक समय पर अलर्ट मिलेगा। तीर्थयात्री किसी भी साइबर अपराध की सूचना राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दे सकते हैं। यात्रा कंट्रोल रूम 0135-2559898 और टोल फ्री नंबर 1364 पर संपर्क किया जा सकता है।

देवभूमि की आध्यात्मिक यात्रा यूं ही सुखद और सुफल देती हुई चलती रहे। हर तरफ सौहार्द एवं समृद्धि हो, यही परमेश्वर से कामना है।

जय देवभूमि उत्तराखंड!! जय भारत!!

डॉ.गार्गी मिश्रा

टिड्डियों से निपटने को दूरगामी रणनीति बने

इस साल राजस्थान के थार में अभी तक कुछ खास बारिश हुई नहीं, रेत के धारों में उतनी हरियाली भी नहीं उपजी और जुलाई महीने में ही बीकानेर के आसमान में इतना बड़ा टिड्डी दल मंडराता दिखा कि दिन में अंधेरा दिखने लगा। बीकानेर के बाद चूरू, सरदार शहर तक के आंचलिक क्षेत्रों में जिस तरह टिड्डी दल पहुंच रहे हैं, उससे वहां के किसानों की मेहनत जरूर काली होती दिख रही है। जेसलमेर और बाडमेर भी कई बड़े टिड्डी दल सीमा पार से आकर डेरा जमा चुके हैं। पिछले दिनों बड़े-बड़े टिड्डी दल गुजरात के खेतों में भी डेरा जमा चुके हैं। इस बात की प्रबल आशंका है कि राजस्थान, गुजरात और मध्यप्रदेश के तीन दर्जन जिलों में आने वाले महीनों में हरियाली पर संकट नजर आये। क्योंकि वहां अफ्रीका से पाकिस्तान के रास्ते आने वाले कुख्यात टिड्डों का हमला होने वाला है। टिड्डी दल का इतना बड़ा हमला आखिरी बार 1993 में यानी 26 साल पहले हुआ था। राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर, बाडमेर और गुजरात के कच्छ इलाकों में बारिश और हरियाली न के बराबर है। इस साल आषाढ़ लगते ही दो दिन धुआंधार बारिश हुई थी, जिसने रेगिस्तान में कई जगह नखलिस्तान बना दिया था। सूखी, उदास-सी रहने वाली लूनी नदी लबालब है। पानी मिलने से लोग बेहद खुश हैं, लेकिन इसमें एक आशंका व भय भी छिपा हुआ है। खड़ी फसल को पलभर में चट कर उजाड़ने के लिए मशहूर अफ्रीकी टिड्डे इस हरियाली की ओर आकर्षित हो रहे हैं और आने वाले महीनों में इनके बड़े-बड़े झुंडों का हमारे यहां आना शुरू हो जाएगा। पाकिस्तान ऐसे टिड्डी दल को देखते ही हवाई जहाज से दवा छिड़कवा देता है। ऐसे में हवा में टिड्डी दल भारत की ओर ही भागते हैं।

सोमालिया जैसे उत्तर-पूर्वी अफ्रीकी देशों से ये टिड्डे बरास्ता यमन, सऊदी अरब और पाकिस्तान भारत पहुंचते रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि ये कीट एक बार इलाके में घुस गए तो इनका प्रकोप कम से कम तीन साल जरूर रहेगा। अतीत गवाह है कि 1959 में ऐसे टिड्डों के बड़े दल ने बीकानेर की तरफ से धावा बोला था, जो 1961-62 तक टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) में तबाही मचाता रहा था। इसके बाद 1967-68, 1991-92 में भी इनके हमले हो चुके हैं। टिड्डी दलों के बढ़ने की खबरों के मद्देनजर हाल ही में राजस्थान सरकार ने अफसरों की मीटिंग बुलाकर इस समस्या से निपटने के उपाय तत्काल करने के निर्देश दिए हैं। वास्तव में मध्यम या बड़े आकार के वे साधारण टिड्डे (ग्रास होपर) हैं, जो हमें यदाकदा दिखलाई देते हैं। प्रकृति का अनुकूल वातावरण पाकर इनकी संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो जाती है और तब ये बेहद हानिकारक होते हैं। रेगिस्तानी टिड्डे इनकी सबसे खतरनाक प्रजाति हैं। गिगेरियस जाति के इस कीट के मानसून और रेत के घोरों में पनपने के आसार अधिक होते हैं।

एक मादा हल्की नमी वाली रेतीली जमीन पर 40 से 120 अंडे देती है और इसे एक तरह के तरल पदार्थ से ढक देती है। कुछ देर में यह तरल सूख कर कड़ा हो जाता है और इस तरह यह अंडों के रक्षा कवच का काम करता है। सात से दस दिन में अंडे पक जाते हैं। बच्चा टिड्डा पांच बार रंग बदलता है। इस तरह हर दो-तीन हफ्ते में टिड्डी दल हजारों गुणा की गति से बढ़ता जाता है। ये दल दिन में तेज धूप की रोशनी होने के कारण बहुधा आकाश में उड़ते रहते हैं और शाम ढलते ही पेड़-पौधों पर बैठकर उन्हें चट कर जाते हैं। अगली सुबह सूरज उगने से पहले ही ये आगे उड़ जाते हैं। ताजा शोध से पता चला है कि जब अकेली टिड्डी एक विशेष अवस्था में पहुंच जाती है तो उससे एक गंधयुक्त रसायन निकलता है। इसी रासायनिक संदेश से टिड्डियां एकत्र होने लगती हैं और उनका घना झुंड बन जाता हैं। इस रसायन को नष्ट करने या उसके प्रभाव को रोकने की कोई युक्ति अभी तक नहीं खोजी जा सकी है।

संभावित टिड्डी हमले के खौफ से उससे सटे जिलों के किसानों की नींद उड़ गई है। पिछले कुछ दिनों में अभी तक कोई 155 हेक्टेयर फसल इनकी चपेट में आ चुकी है। पिछले टिड्डी हमलों के दौरान राजस्थान व मध्य प्रदेश सरकार ने मेलाथियान और बीएचसी का छिड़काव करवाया था और दोनों ही असरहीन रहे थे। यदि राजस्थान और उससे सटी पाकिस्तानी सीमा पर टिड्डी दलों के भीतर घुसते ही सघन हवाई छिड़काव किया जाए, साथ ही रेत के धौरों में अंडफली नष्ट करने का काम जनता के सहयोग से शुरू किया जाए तो फसलों की रक्षा हो सकती है। खबर है कि अफ्रीकी देशों से एक किलोमीटर तक लंबाई के टिड्डी दल आगे बढ़ रहे हैं। सोमालिया जैसे देशों में आंतरिक संघर्ष और गरीबी के कारण सरकार इनसे बेखबर हैं। जाहिर है कि इनसे निपटने के लिए भारत और पाकिस्तान को ही मिल-जुलकर सोचना पड़ेगा।

अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी हो बात

नागरिकता संशोधन कानून और इसी से जुड़े राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर कार्यक्रम तथा प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर कार्यक्रम को लेकर देश के अनेक हिस्सों में एक वर्ग अपने अधिकारों को लेकर आन्दोलित है। प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता, बुद्धिजीवी, कलाकार, अभिनेता और प्रगतिशील वर्ग लगातार यह दावा कर रहे हैं कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। अभिव्यक्ति की आजादी के मौलिक अधिकार का हनन कर आवाज दबाने का प्रयास हो रहा है।

आज मौलिक अधिकारों के हनन की बात तो होती है लेकिन कोई नेता, रंगकर्मी, समाजसेवी या बुद्धिजीवी नागरिक कर्तव्यों की बात नहीं करता। संविधान निर्माताओं ने संविधान रचना के वक्त 'पंथनिरपेक्षता' की तरह ही मौलिक अधिकारों के साथ ही मौलिक कर्तव्यों को भी शामिल नहीं किया था। मान्यता रही कि देश-संविधान के प्रति कर्तव्यों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

आपातकाल के दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने महसूस किया कि मौलिक अधिकारों के प्रति तो सभी जागरूक हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति संजीदगी नहीं है। इसका नतीजा यह हुआ कि 1976 में 42वें संविधान संशोधन से संविधान की प्रस्तावना में जहां 'पंथनिरपेक्ष' शब्द शामिल किया गया वहीं इसमें मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया ।

देश के प्रधान न्यायाधीश एस.ए. बोबडे ने हाल ही में एक कार्यक्रम में जिक्र किया कि नागरिकता सिर्फ अधिकारों की ही नहीं है बल्कि मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी है।

निःसंदेह मौलिक अधिकारों की तरह ही संविधान के भाग 4-क में शामिल मौलिक कर्तव्य भी महत्वपूर्ण हैं। संविधान में 1976 में संशोधन करके इसके 'भाग 4-क' में 'मूल कर्तव्य' शीर्षक से अनुच्छेद 51-क इसमें जोड़ा गया था। संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने का उद्देश्य नागरिकों को मौलिक अधिकारों के साथ ही उनकी जिम्मेदारियों से भी अवगत कराना था। संविधान के अनुच्छेद 51-क के अंतर्गत 11 मूल कर्तव्य हैं जो कानून द्वारा लागू करने योग्य हैं। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। इन कर्तव्यों में भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता की रक्षा करना, इसे अक्षुण्ण बनाये रखना और देश की रक्षा करना तथा आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना भी शामिल है।

अनूप भटनागर

इसके अलावा, मौलिक कर्तव्यों में सभी लोगों में समरसता और समान भाईचारे की भावना का निर्माण करना शामिल है जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित तथा भेदभाव से परे हो। मौलिक कर्तव्यों में पर्यावरण की रक्षा करना और संवर्धन शामिल हैं। इसके दायरे में झीलें, नदी और वन्य जीव आते हैं। सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखना और हिंसा से इसे बचाना भी मूल कर्तव्यों में शामिल है।

प्रत्येक नागरिक मौलिक अधिकारों के प्रति तो सचेत है और इन अधिकारों की रक्षा के लिये अनेक संगठन भी सक्रिय हैं लेकिन मौलिक कर्तव्यों के प्रति जनता को जागरूक बनाने की दिशा में शायद ही कोई संगठन सक्रिय भूमिका निभा रहा हो। मौलिक कर्तव्यों के प्रति नागरिकों की उदासीनता के लिये व्यावहारिक पहल न करने वाली सरकारें भी जिम्मेदार हैं।

सरकार ने नागरिकों को उनके मौलिक कर्तव्यों के प्रति शिक्षित करने के उद्देश्य से शीर्ष अदालत के न्यायाधीश जगदीश शरण वर्मा की अध्यक्षता में 1999 में एक समिति भी गठित की थी। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में मौलिक कर्तव्यों को लागू करने के लिये अनेक कानूनों के प्रावधानों का जिक्र किया था।

संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिये पूर्व प्रधान न्यायाधीश एम.एन. वेंकटचलैया की अध्यक्षता में गठित आयोग ने 2002 में पेश अपनी रिपोर्ट में मौलिक कर्तव्यों को लागू करने के लिये तत्काल कदम उठाने के साथ ही इनके प्रति जनता को संवेदनशील बनाने को अनेक सुझाव दिये लेकिन इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया। वर्ष 1998 में पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंगनाथ मिश्रा ने भी मौलिक अधिकारों व मौलिक कर्तव्यों में संतुलन बनाने तथा नागरिकों को शिक्षित करने के लिये निर्देश जारी करने को कहा।

शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ ने 31 जुलाई, 2003 में अपने आदेश में कहा था कि उम्मीद है कि सरकार न्यायमूर्ति वेंकटचलैया आयोग और न्यायमूर्ति वर्मा समिति की सिफारिशों का संज्ञान लेगी। न्यायालय ने सरकार को ऐसा ही करने और इन पर अमल के लिये शीघ्र कदम उठाने को कहा।

स्वर्ग के हकदार

संत तिरुवळ्ळुवर को बहुत से भक्त और शिष्य घेरे हुए थे। एक भक्त ने पूछा- प्रभु, स्वर्ग-नर्क की परिभाषा तो हम कई बार सुन चुके हैं। परंतु वास्तव में स्वर्ग और नर्क के अधिकारी कौन-कौन हैं, यह कैसे ज्ञात हो। संत बोले-पुत्र, अच्छा हो यदि जिज्ञासु जन मेरे साथ भ्रमण पर चल पड़ें। कुछ दूर चलने पर एक शिकारी एक हिरण का शिकार करके उसे कंधे पर लाता हुआ दिखाई दिया। उसे देखकर संत बोले-शिकारी इतने निकृष्ट कर्म कर रहा है, इसके लिए यहां भी नर्क समान है और मृत्यु पश्चात भी नर्क ही मिलेगा। आगे एक आश्रम के बाहर एक तपस्वी तप कर रहा था। संत ने कहा-इतना तप करते हुए यह नर्क समान कष्ट सह रहे हैं मगर वहां इन्हें स्वर्ग मिलेगा। एक वेश्यालय के आगे से गुजरते हुए, वेश्या के घुंघरुओं की आवाज सुनकर कहने लगे-देखो, यह भोग विलास में डूबी हुई इस समय दुनिया का हर सुख स्वर्ग समान ही भोग रही है। मगर इसके भविष्य में नर्क ही लिखा है। अंत में एक सद्गृहस्थ के घर के सामने सब विश्राम करने लगे। गृहस्थ सब के लिए शीतल जल ले आया। संत ने बताया-यह गृहस्थ अपनी गृहस्थी में रमकर भी दूसरों के सुख-दु:ख में सहभागी रहता है। इसके लिए तो इसका घर परिवार भी किसी स्वर्ग से कम नहीं है और बाद में स्वर्ग भी ऐसी ही जीवात्माओं के लिए है।

स्टूडेंट्स करेंगे परीक्षा में टॉप, बस करना होगा ये आसान काम

श्लोक-

आलस्यं मदमोहौ चापलं गोष्ठिरेव च।
स्तब्धता चाभिमानित्वं तथा त्यागित्वमेव च।
एते वै सप्त दोषा: स्यु: सदा विद्यार्थिनां मता:

महाभारत काल के महात्मा विदुर ने जीवन के के कई पहलुओं पर नीतिसंगत बातें व विचार दिए हैं। विदुर नीति का ये ज्ञान अगर आप अपने दैनिक जीवन में अप्लाई करें तो आपके जीवन में काफी सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं। इसी तरह विदुर ने छात्रों के लिए भी कुछ ऐसे नियम बताए हैं जिन्हें यदि वो अपनाएं तो उनका करियर काफी अच्छा हो सकता है। आज हम आपको बताएंगे विदुर नीति के कुछ ऐसे ही टिप्स जिन्हें अपनाकर आप अपने करियर को सही दिशा दे सकते हैं। श्लोक-आलस्यं मदमोहौ चापलं गोष्ठिरेव च। स्तब्धता चाभिमानित्वं तथा त्यागित्वमेव च। एते वै सप्त दोषा: स्यु: सदा विद्यार्थिनां मता: छात्रों को कभी भी किसी चीज का नशा नहीं करना चाहिए और न ही उन्हें किसी भी चीज के आकर्षण में पड़ना चाहिए। जिनको इसकी लत है वो कभी भी सफलता को नहीं पा सकते हैं। छात्रों को अपने मन को एकाग्र रखना चाहिए। यदि मन में भटकन हो तो करियर की सही ग्रोथ नहीं होती है। छात्रों को अपने करियर के प्रति अनुशासित और समर्पित होना चाहिए ताकि मन भटके नहीं। इसलिए बिना वजह दोस्तों से बातचीत करने से परहेज करें। छात्रों को योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाई करनी चाहिए ताकि परीक्षा में उनके अच्छे नंबर आएं और उनका करियर अच्छा रहे।

छात्रों का मन शुद्ध जल के समान होना चाहिए उसमें कोई भी विकार नहीं होना चाहिए। अहंकारी लोग हमेशा गर्त में जाते हैं। विदुर के मुताबिक, इंसान को लालची नहीं होना चाहिए। व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए किसी इंसान के इस्तेमाल से भी गुरेज नहीं करता है।

जिम ना जाने वाले लोग ऐसे घटाएं अपना वजन...

वजन को कम करने के लिए लोग एक्सरसाइज और जिम में पसीना बहाने को ही बेहतर विकल्प मानते हैं लेकिन कुछ लोगों के पास इतना समय नहीं कि वह जिम जा सकें या कुछ लोग हैल्थ प्रॉब्लम्स के चलते जिम में लंबा समय तक एक्सरसाइज नहीं कर पाते। ऐसे लोगों के लिए हम गजब के टिप्स लाए हैं। बस आपको अपनी डाइट सही करनी हैं, चलिए आज हम बताते हैं कि जिम ना जाने वाले लोग कैसे वजन को तेजी से कम कर सकते हैं।

भरपूर पानी- सबसे पहले तो अपनी दिनचर्या में पानी को महत्व दें। खूब सारा पानी पीएं। आप सादे पानी के साथ गुनगुने पानी में शहद, नींबू पानी, पुदीना पानी का सेवन भी करें क्योंकि यह विषैले तत्वों को जल्दी बाहर निकालने में मददगार है जिससे वजन भी तेजी से कम होता है। कम से कम 1० से 15 गिलास पानी जरूर पीएं।

हरी सब्जियां खाएं- हरी सब्जियों का सेवन करें इसमें विटामिन और मिनरल जैसे तत्व भरपूर होते हैं। शरीर के लिए यह बहुत फायदे होते हैं क्योंकि पानी से भरपूर यह सब्जियां तेजी से वजन घटाती हैं। खीरे व पत्तागोभी का सेवन करें।

सुबह-सुबह खाएं कच्चा लहसुन - रोजाना लहसुन की दो-तीन कलियां चबाना आपके लिए काफी फायदेमंद होता है। इससे वजन तेजी से कम तो होता ही है साथ ही रक्त प्रवाह सही होता है और एसिडिटी की परेशानी भी नहीं होती।

इन टिप्स को करें फॉलो चेहरा दिखेगा स्लिम

वैसे तो बहुत से लोगों को चुबी फेस पसंद आता है लेकिन अगर आप उन लोगों में से नहीं हैं और आप चाहती हैं कि आपका चेहरा स्लिम-ट्रिम दिखे तो इसके लिए आप इन आसान ब्यूटी टिप्स को फॉलो कर सकती हैं।

आंखों का मेकअप

बड़ी आंखों से आपका पूरा चेहरा काफी स्लिम और खूबसूरत दिखता है। बड़ी और खूबसूरत आंखों के लिए न्यूड आईशैडो के साथ अपर आईलिड पर लाइनर लगाएं। इसके बाद आई लैशेज पर हेवी कोट मसकारा लगाकर आंखों को एक्सप्रेसिव लुक दें। इससे आपका पूरा चेहरा स्लिम दिखेगा।

कंटूर के लिए यूज करें पाउडर

लिक्विड कंटूर की बजाय पाउडर कंटूर का इस्तेमाल करें। इसके लिए अपनी स्किन टोन से एक शेड डार्कर कॉम्पैक्ट खरीदें। अपने मेकअप ब्रश से नाक के दोनों तरफ, जॉबोन और टेंपल पर पाउडर छिड़कें। इससे आपका चेहरे को एक

स्लिम लुक मिलेगा।

तीन रंगों से कंटूर करें

क्या आप अपने चीकबोन पर सारा फोकस चाहती हैं। इसके लिए आपको तीन चीजों की जरूरत होगी- एक लिक्विड ब्रश, एक हाईलाइटर और एक ब्रॉन्जर। सबसे पहले अपने चीक्स पर ब्लश करें, फिर चीकबोन्स पर हाईलाइटर लगाएं और आखिर में चीकबोन्स के नीचे ब्रॉन्जर से लुक को फीनिश करें। ये आपके चेहरे को एक सुपरमॉडेल की तरह स्लिमर अपिएरेंस देगा।

बड़ी इयररिंग पहनें

बड़ी इयररिंग्स आपके चेहरे की वर्टिकल लाइन को हाइलाइट करती है और चेहरे को एक स्लिम लुक देती है। इसलिए खूबसूरत और बड़ी इयररिंग्स पर इन्वेस्ट करें।

बालों को मेसी लुक दें

स्ट्रेट बाल अच्छे लगते हैं लेकिन ये चेहरे को फ्लैट लुक देते हैं। इसलिए क्राउन

एरिया के पास अपने बाल को थोड़ा टीज करें। इससे आपका चेहरा राउंड नहीं दिखेगा।

आईब्रोज को सही शेप दें

अगर आपके आईब्रोज पतले हैं तो आपका चेहरा बड़ा दिखेगा। ऐसे में आईब्रो पेंसिल यूज कर सही लुक दें। ये आपके चेहरे को डाइमेंशन देगा और आपका

नौवीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे ऐसे हासिल कर सकते हैं स्कॉलरशिप

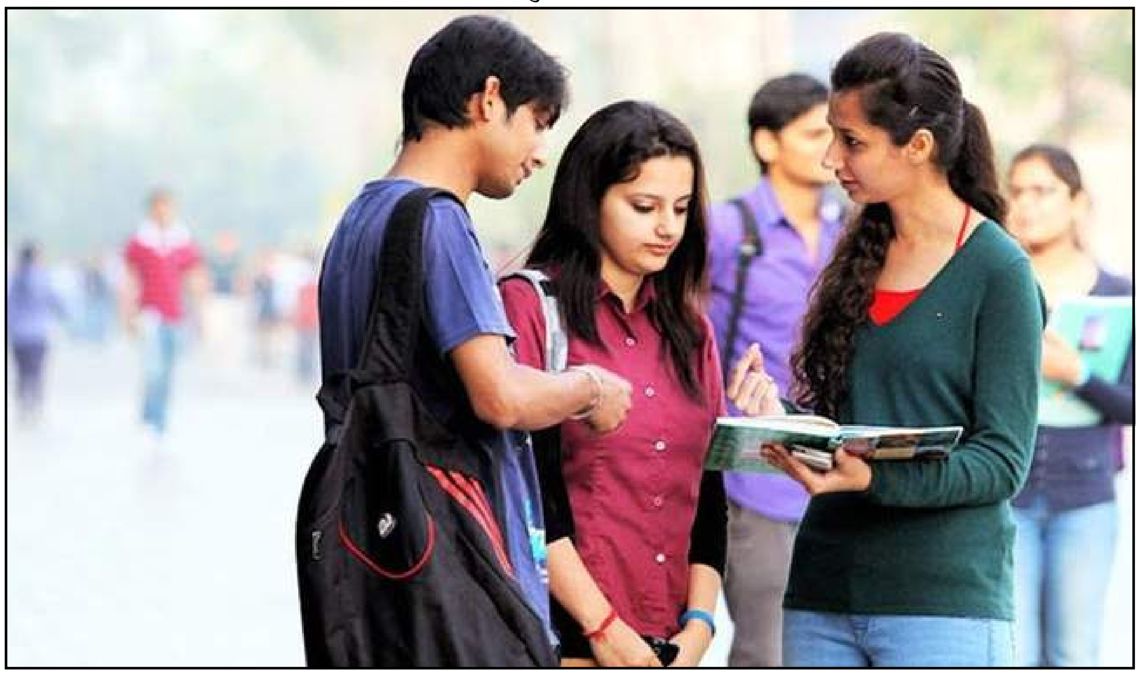

राज्य सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त व स्थानीय निकाय के स्कूल से नौवीं कक्षा की शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थी जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक न हो व जो अपनी शिक्षा को जारी रख पाने में असमर्थता महसूस कर रहे हों ऐसे विद्यार्थी मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रदान की जा रही नेशनल मीन्स कम मैरिट स्कॉलरशिप 2०18-19 के लिए आवेदन कर आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस स्कॉलरशिप से पूरे भारत में एक लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय सैनिक स्कूल व प्राइवेट स्कूल के विद्यार्थी इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन के पात्र नहीं हैं।

मानदंड

इस स्कॉलरशिप के लिए मानदंड इस प्रकार हैं-

1. विद्यार्थी जो 1०वीं से 12वीं कक्षा की शिक्षा राज्य सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त व स्थानीय निकाय के स्कूलों से जारी रखने के इच्छुक हों।
2. विद्यार्थी ने सातवीं व आठवीं कक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हों (एससीध्एसटी के विद्यार्थियों को 5 प्रतिशत की छूट रहेगी)
3. पारिवारिक वार्षिक आय 1.5० लाख से अधिक न हो।

लाभ–ईनाम

इस स्कॉलरशिप के लिए चयनित विद्यार्थी को 6००० रुपए तक की स्कॉलरशिप प्रतिवर्ष प्राप्त होगी।

अंतिम तिथि

15 दिसम्बर, 2०18 तक आवेदन किया जा सकता है।

आवेदन कैसे करें

इस स्कॉलरशिप के लिए इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन हेतु लिंक का उपयोग करने पर गवर्नमेंट का नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल खुलेगा, जिसमें आपको सेंट्रल स्कीम के नीचे छठे नंबर पर लिखे डिपार्टमेंट ऑफ स्कूल एजुकेशन एंड लिट्रेसी पर क्लिक करना होगा, जहाँ पर उल्लेखित स्कॉलरशिप का नाम व उसके सामने अप्लाई बटन पर क्लिक करके आवेदन किया जा सकता है।

गांव-गांव में चलेगा टीबी स्क्रीनिंग अभियान, हैंडहेल्ड मशीन से होगी जांच

अल्मोड़ा। जनपद में टीबी उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग व्यापक स्तर पर अभियान चला रहा है। मुख्य चिकित्साधि कारी डॉ. अरविंद पांगती और जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. प्रांशु डेनियल के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव-गांव पहुंचकर लोगों की स्क्रीनिंग कर रही हैं। इस अभियान का उद्देश्य टीबी रोग की समय रहते पहचान कर उसका उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा अत्याधुनिक हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से मौके पर ही जांच की जा रही है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को अस्पताल जाने की आवश्यकता कम हो रही है। विभाग का मानना है कि इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में छिपे टीबी के मामलों को सामने लाने में मदद मिलेगी और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 अप्रैल 2026 को द्वाराहाट विकासखंड के कोटिला ग्राम पंचायत में स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किया जाएगा, जबकि 25 अप्रैल 2026 को द्वाराहाट क्षेत्र के बयेला में कैंप लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त भैसियाछाना विकासखंड में 24 अप्रैल को छानी, 27 अप्रैल को डूंगरी और 28 अप्रैल 2026 को नैनी गांव में भी स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे इन शिविरों में पहुंचकर अपनी जांच अवश्य कराएं। विभाग का कहना है कि टीबी का समय पर इलाज संभव है और नियमित दवा लेने से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। साथ ही लोगों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अपने आसपास के लोगों को भी इस अभियान के प्रति जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें और जनपद को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास सफल हो सके।

लिटिल स्कूल में तीन दिनी कार्यक्रम का आगाज

काशीपुर। लिटिल स्कॉलर्स विद्यालय में गुरुवार को एलएसएम यूएन के तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विजन वैली स्कूल काशीपुर, गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल काशीपुर, रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल बाजपुर, भारतीयम् इंटरनेशनल स्कूल रुद्रपुर, डीपीएस रुद्रपुर, एमनिटी रुद्रपुर, ओक बड्स रामनगर, रायन रुद्रपुर, कोलंबस रुद्रपुर, ग्रेट मिशन स्कूल, जेनेसिस स्कूल, सेंट मैरीज बाजपुर सहित अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्राचार्या शिखा गौतम ने कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल छात्रों के सर्वांगीण विकास और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

बजेटी, न्यू बजेटी वार्ड में सीवर लाइन का काम शुरू

पिथौरागढ़। शहर के बजेटी और न्यू बजेटी वार्ड में रहने वाले लोगों को भी अब जल्द ही सीवर लाइन का लाभ मिलेगा। दोनों वार्डो में सीवर लाइन बिछाने का काम शुरू हो गया है। मेयर कल्पना देवलाल ने सीडीओ डॉ. दीपक सैनी, पार्षद हंसी प्रकाश, नवीन वर्मा, प्रवीण उपरारी, जल निगम अधिकारियों व स्थानीय लोगों की मौजूदगी में विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान मेयर कल्पना ने कहा कि दोनों ही वार्डो में 198.45 लाख की लागत से सीवर लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही कुमौड़, विवेकानंद और खड़कोट के तीन वार्डो में भी सीवर लाइन बिछाने का काम शुरू किया जाएगा। मेयर ने कहा कि शहर के लोगों को बेहतर जल-निकासी, स्वच्छ वातावरण और व्यवस्थित शहरी सुविधाएं सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए नगर निगम प्रयासरत है। सीडीओ ने बताया उक्त योजनान्तर्गत सीवरेज लाईन निर्माण कार्य (1134 मी), मेन होल्स निर्माण कार्य व अन्य कार्यर्य प्रस्तावित है। यहां जल निगम के अधीक्षण अभियंता आरएस धर्मशक्तू, सहायक नगर आयुक्त राजदेव जायसी, अधिशाषी अभियंता पीएन चौधरी,नवीन सेठी, भोपाल राम, चन्द्र प्रकाश, धीरेन्द्र सेठी, सुनील कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

बदरीनाथ हाईवे : चटवापीपल पुल से वाहनों की आवाजाही शुरू

चमोली। चारधाम यात्रा शुरू होते ही बदरीनाथ हाईवे पर बना चटवापीपल पुल वाहनों की आवाजाही के लिए शुरू हो गया है। इससे यहां यातायात सुगम हो गया है। साथ ही बरसात में होने वाले भूस्खलन और सड़क बंद सहित जाम की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर कर्णप्रयाग और गौचर के मध्य चटवापीपल के पास गदेरे में लगातार दो वर्षों से भूस्खलन हो रहा था। बरसात के दौरान यहां कई बार सड़क बंद रहती है। सड़क संकरी होने और मलबा होने के कारण दलदल भी हो जाती थी जिससे जाम लगता था। बीते एक साल से एनएचआईडीसीएल यहां पुल निर्माण कर रहा था। अब चारधाम यात्रा शुरू होने के साथ ही चटवापीपल पुल भी वाहनों के लिए खोल दिया गया है। अब पुल पर वाहन फर्राटा भरने लगे हैं। टू लेन पुल बनने से अब यहां जाम की समस्या से निजात मिल गई है। स्थानीय सुनील नैनवाल का कहना है कि इस पुल से चारधाम यात्रा ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के आवागमन करने वालों को भी लाभ मिलेगा। वहीं एनएचआईडीसीएल के प्रबंधक अंकित सिंह का कहना है कि पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। भार क्षमता मापन के बाद वाहन यहां गुजरने लगे हैं। साथ ही हाईवे जहां जहां खराब है वहां भी ठीक करने के लिए युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है।

खंड शिक्षा अधिकारी से दुर्व्यवहार पर शिक्षकों में आक्रोश

रुद्रपुर। गोविंद वल्लभ पंत इंटर कॉलेज, चकरपुर में बीतें 22 अप्रैल को हुई एक गंभीर घटना के बाद शिक्षा विभाग एवं शिक्षक संगठनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने एसडीएम तुषार सैनी के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। गुरुवार को भारी संख्या मे तहसील पहुंचे शिक्षकों ने ज्ञापन में बताया कि एक शिक्षक पर छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़ एवं ब्लैकमेलिंग के आरोपों की जांच करने पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी भानू प्रताप कुषवाहा के साथ कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। जांच के दौरान हुए इस दुर्व्यवहार ने प्रशासनिक व्यवस्था और शिक्षा विभाग की गरिमा पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं।
शिक्षक संगठनों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग की कि घटना में शामिल दोषियों की तत्काल पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वालों में कमान सिंह सामन्त अध्यक्ष उ.रा.प्रा.षि. संघ, छविराज सिंह कफलिया, जितेन्द्र यादव, भुवन चंद्र कलौनी, गोकुलानन्द कापड़ी, अरविंद गोस्वामी, महेश रौतेला, भुवन उप्रेती, राजेश जोशी, नितिन चौहान, दिनेश बगोटी, राकेश राणा, नवीन राणा, सन गहतोड़ी, मोहन चंद्र जोषी, जेएम सहदेव, ईष्वर सिंह पोखरिया, जितेंद्र प्रताप सिंह, राजकुमार राणा, भानू प्रपाप गुप्ता, जगदीष कन्नौजिया, दिनेष राणा, अशोक कुमार, साधना, देव सिंह, मनोज गुणवंत, राम नारायण वर्मा, चंदन कुमार आदि मौजूद रहे।

टिहरी में बड़ा हादसा: अंत्येष्टि कर लौट रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त, आठ लोगों की मौत

नई टिहरी। हरिद्वार अंत्येष्टि से घनसाली लौट रहा वाहन चंबा-कोटीकॉलोनी मोटर मार्ग पर नैल के पास अनियंत्रित होकर करीब 300 मीटर गहरी खाई में गिर गया जिससे वाहन में सवार 10 में से आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो घायलों को जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। भिलंगना ब्लॉक में नैलचामी क्षेत्र के चकरेड़ा गांव से 10 लोग हरिद्वार अंत्येष्टि में गए थे। लौटते समय दोपहर करीब 2.15 बजे वाहन चंबा-कोटीकॉलोनी मोटर मार्ग पर नैल गांव के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। घटना का पता चलते ही चंबा थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने खाई में उतर कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दो घायलों को खाई से निक. लकर जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया गया जबकि वाहन सवार आठ अन्य लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वाहन दुर्घटना की सूचना मिलने पर डीएम नितिका खंडेलवाल, विधायक किशोर उपाध्याय, एसएसपी श्वेता चौबे और सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचवाया। एसएसपी ने बताया कि दुर्घटना में घायल उत्तम कुमार (36) पुत्र पुस्सू मास्टर निवासी ग्राम लोस्तू बडियारगढ़ कीर्तिनगर टिहरी गढ़वाल और अंकित लाल (22) पुत्र आशा लाल निवासी ग्राम ठेला नैलचामी भिलंगना टिहरी को जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है। जबकि मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजे गए हैं। सीएमएस डॉ. अमित राय ने कहा कि प्राथमिक उपचार के बाद अंकित को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है जबकि उत्तम की स्थिति खतरे से बाहर है। दुर्घटना वाले स्थान पर काफी ढलान और तीखा मोड है लेकिन दुर्घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने कहा कि घटना की जांच की जाएगी।

इनकी गई जान

1- आशा लाल (40) पुत्र अषाडू निवासी ग्राम ठेला नैलचामी भिलंगना टिहरी।
2- विजय लाल (36) पुत्र भुरखिलिया निवासी ग्राम ठेला नैलचामी भिलंगना।
3- प्रेमलाल (60) पुत्र संतूलाल निवासी ग्राम चकरेड़ा घटनसाली
4- महावीर (60) पुत्र विशु लाल निवासी चकरेड़ा घनसाली।
5- शिव सिंह (35) पुत्र पुष्कर सिंह वाहन चालक ग्राम होल्टा घनसाली।
6- सोहन लाल (65)गोपाल निवासी ग्राम चकरेड़ा घनसाली।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरा वाहन, तीन युवकों की मौत

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जिले के भीरी-ककोला मार्ग पर बुधवार रात एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन में तीन युवा सवार थे। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचे और तीनों को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना 22 अप्रैल बुधवार देर रात की है। कोतवाली ऊखीमठ प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी ने बताया कि मध्यरात्रि में सूचना मिली कि भीरी से औरिंग जा रहा वाहन भीरी-ककोला मार्ग पर अनियंत्रित होकर 250 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरा। सूचना पर ऊखीमठ से व एसडीआरएफ पोस्ट अगस्त्यमुनि से उपनिरीक्षक धर्मेंद्र पंवार के नेतृत्व में टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। गहरी खाई और रात का समय होने के बाद भी पुलिस व एसडीआरएफ के जवान खाई में उतरे और कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को खाई से बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी ने बताया कि वाहन में सवार तीन लोगों नवीन सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह (30) निवासी औरिंग, अंशुल (28) पुत्र धनपाल, निवासी सुरसाल और अमित सिंह (35) पुत्र आनंद सिंह निवासी सुरसाल की मौके पर मौत हो गई।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आर्फसेट प्रिंटर्स 64 नेशविला रोड देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादक:
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।